

believe in Him, and ask forgiveness for those who believe, *saying*: 'Our Lord, Thou dost comprehend all things in Thy mercy and knowledge. So forgive those who repent and follow Thy way; and protect them from the punishment of Hell.

9. 'And make them, our Lord, enter the Gardens of Eternity which Thou hast promised them, as well as such of their fathers and their wives and their children as are virtuous. Surely Thou art the Mighty, the Wise.

10. 'And protect them from evils; and he whom Thou dost protect from evils on that day—him hast Thou surely shown mercy. And that *indeed* is the supreme triumph.'

R. 2.

*11. An announcement will be made to those who disbelieve *in the words*: 'Greater was the abhorrence of Allāh when you were called to the faith and you disbelieved than your *own* abhorrence of yourselves *today*.'

12. They will say, 'Our Lord, Thou hast caused us to die twice, and Thou hast given us life twice, and now we confess our sins. Is then there a way out?'

*13. *It will be said to them*, 'This is

بِهِ وَ يَسْتَغْفِرُونَ لِلَّذِينَ آمَنُوا رَبَّنَا وَسِعْتَ كُلَّ شَيْءٍ رَحْمَةً وَعِلْمًا فَاغْفِرْ لِلَّذِينَ تَابُوا وَاتَّبَعُوا سَبِيلَكَ وَقِهِمْ عَذَابَ الْجَحِيمِ ۝ رَبَّنَا وَادْخُلْهُمْ جَنَّاتٍ عَذْنٍ الَّتِي وَعَدْتَهُمْ وَمَنْ صَلَحَ مِنْ آبَائِهِمْ وَأَزْوَاجِهِمْ وَذُرِّيَّاتِهِمْ إِنَّكَ أَنْتَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝

وَقِهِمُ السَّيِّئَاتِ وَمَنْ تَقِ السَّيِّئَاتِ يَوْمَئِذٍ فَقَدْ رَحِمْتَهُ وَذَلِكَ هُوَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا يُنَادُونَ لِمَقْتُ اللَّهِ أَكْبَرُ مِنْ مَقْتِكُمْ أَنْفُسَكُمْ إِذْ تُدْعَوْنَ إِلَى الْإِيمَانِ فَتَكْفُرُونَ ۝

قَالُوا رَبَّنَا آمَنَّا ائْتِنَا اثْنَتَيْنِ وَآخِيتَيْنِ ائْتِنَا فَاَعْتَرَفْنَا بِذُنُوبِنَا فَهَلْ إِلَى خُرُوجٍ مِنْ سَبِيلٍ ۝

ذُرِّكُمْ بِأَنَّهُ إِذَا دُعِيَ اللَّهُ وَحْدَهُ

*11. Certainly to those who disbelieved a call will be made to them, 'The detestation of Allāh is greater than your detestation of yourselves, when you were called to have faith and you rejected it.'

*13. *It will be said to them*, 'That is because when Allāh alone was proclaimed you rejected the call but when partners were associated with Him, you believed. But the *last* word belongs to Allāh, the Lofty, the Great.'

because, when Allāh was proclaimed as One, you disbelieved, but when partners were associated with Him, you believed. The decision *now* belongs only to Allāh, the High, the Incomparably Great.'

14. He it is Who shows you His Signs, and sends down provision for you from heaven; but none pays heed save he who turns *to God*.

كَفَرْتُمْ ۚ وَإِنْ يُشْرِكْ بِهِ تُؤْمِنُوا ۚ
فَالْحُكْمُ لِلَّهِ الْعَلِيِّ الْكَبِيرِ ﴿١٣﴾

هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ آيَاتِهِ وَيُنَزِّلُ
لَكُمْ مِنَ السَّمَاءِ رِزْقًا ۖ وَمَا يَتَذَكَّرُ
إِلَّا مَنْ يُنِيبُ ﴿١٤﴾

*15. Call ye then on Allāh, being sincere to Him in religion, though the disbelievers may be averse.

فَادْعُوا اللَّهَ مُخْلِصِينَ لَهُ الدِّينَ
وَلَوْ كَرِهَ الْكَافِرُونَ ﴿١٥﴾

*16. *He is* of most exalted attributes, Lord of the Throne. He sends the Word by His command to whomsoever of His servants He pleases, that He may give warning of the Day of Meeting.

رَفِيعُ الدَّرَجَاتِ ذُو الْعَرْشِ ۚ يُلْقِي
الرُّوحَ مِنْ أَمْرِهِ عَلَى مَنْ يَشَاءُ مِنْ
عِبَادِهِ لِيُنْذِرَ يَوْمَ التَّلَاقِ ﴿١٦﴾

*17. The day when they will *all* come forth; nothing concerning them will be hidden from Allāh. 'Whose is the kingdom this day?' 'It is Allāh's, the One, the Most Supreme.

يَوْمَ هُمْ بَارِزُونَ ۚ لَا يَخْفَىٰ عَلَى اللَّهِ
مِنْهُمْ شَيْءٌ ۚ لِمَنِ الْمُلْكُ الْيَوْمَ ۚ
لِلَّهِ الْوَاحِدِ الْقَهَّارِ ﴿١٧﴾

18. 'This day will every soul be requited for that which it has earned. No injustice this day. Surely, Allāh is Swift at reckoning.'

الْيَوْمَ تُجْزَىٰ كُلُّ نَفْسٍ بِمَا كَسَبَتْ ۖ
لَا ظُلْمَ الْيَوْمَ ۚ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ
الْحِسَابِ ﴿١٨﴾

19. And warn them of the

وَأَنْذِرْهُمْ يَوْمَ الْأَزْفَةِ إِذِ الْقُلُوبُ

*15. Call **you** then Allāh, being sincere to Him in **faith**, though the disbelievers may be averse.

*16. **The Exalter of ranks**, the Lord of the Throne. **He** causes the **Spirit** to descend with His command to whomsoever of His servants He pleases, that He may give warning of the Day of Meeting **Him**.

*17. The day when they will *all* come forth; nothing concerning them will be hidden from Allāh. **To whom belongs the kingdom this day?** **To Allāh**, the One, the Most Supreme.

ء ٤ | ق | ٦ | ٧ | ٨ | ٩ | ١٠ | ١١ | ١٢ | ١٣ | ١٤ | ١٥ | ١٦ | ١٧ | ١٨ | ١٩ | ٢٠ | ٢١ | ٢٢ | ٢٣ | ٢٤ | ٢٥ | ٢٦ | ٢٧ | ٢٨ | ٢٩ | ٣٠ | ٣١ | ٣٢ | ٣٣ | ٣٤ | ٣٥ | ٣٦ | ٣٧ | ٣٨ | ٣٩ | ٤٠ | ٤١ | ٤٢ | ٤٣ | ٤٤ | ٤٥ | ٤٦ | ٤٧ | ٤٨ | ٤٩ | ٥٠ | ٥١ | ٥٢ | ٥٣ | ٥٤ | ٥٥ | ٥٦ | ٥٧ | ٥٨ | ٥٩ | ٦٠ | ٦١ | ٦٢ | ٦٣ | ٦٤ | ٦٥ | ٦٦ | ٦٧ | ٦٨ | ٦٩ | ٧٠ | ٧١ | ٧٢ | ٧٣ | ٧٤ | ٧٥ | ٧٦ | ٧٧ | ٧٨ | ٧٩ | ٨٠ | ٨١ | ٨٢ | ٨٣ | ٨٤ | ٨٥ | ٨٦ | ٨٧ | ٨٨ | ٨٩ | ٩٠ | ٩١ | ٩٢ | ٩٣ | ٩٤ | ٩٥ | ٩٦ | ٩٧ | ٩٨ | ٩٩ | ١٠٠ | ١٠١ | ١٠٢ | ١٠٣ | ١٠٤ | ١٠٥ | ١٠٦ | ١٠٧ | ١٠٨ | ١٠٩ | ١١٠ | ١١١ | ١١٢ | ١١٣ | ١١٤ | ١١٥ | ١١٦ | ١١٧ | ١١٨ | ١١٩ | ١٢٠ | ١٢١ | ١٢٢ | ١٢٣ | ١٢٤ | ١٢٥ | ١٢٦ | ١٢٧ | ١٢٨ | ١٢٩ | ١٣٠ | ١٣١ | ١٣٢ | ١٣٣ | ١٣٤ | ١٣٥ | ١٣٦ | ١٣٧ | ١٣٨ | ١٣٩ | ١٤٠ | ١٤١ | ١٤٢ | ١٤٣ | ١٤٤ | ١٤٥ | ١٤٦ | ١٤٧ | ١٤٨ | ١٤٩ | ١٥٠ | ١٥١ | ١٥٢ | ١٥٣ | ١٥٤ | ١٥٥ | ١٥٦ | ١٥٧ | ١٥٨ | ١٥٩ | ١٦٠ | ١٦١ | ١٦٢ | ١٦٣ | ١٦٤ | ١٦٥ | ١٦٦ | ١٦٧ | ١٦٨ | ١٦٩ | ١٧٠ | ١٧١ | ١٧٢ | ١٧٣ | ١٧٤ | ١٧٥ | ١٧٦ | ١٧٧ | ١٧٨ | ١٧٩ | ١٨٠ | ١٨١ | ١٨٢ | ١٨٣ | ١٨٤ | ١٨٥ | ١٨٦ | ١٨٧ | ١٨٨ | ١٨٩ | ١٩٠ | ١٩١ | ١٩٢ | ١٩٣ | ١٩٤ | ١٩٥ | ١٩٦ | ١٩٧ | ١٩٨ | ١٩٩ | ٢٠٠ | ٢٠١ | ٢٠٢ | ٢٠٣ | ٢٠٤ | ٢٠٥ | ٢٠٦ | ٢٠٧ | ٢٠٨ | ٢٠٩ | ٢١٠ | ٢١١ | ٢١٢ | ٢١٣ | ٢١٤ | ٢١٥ | ٢١٦ | ٢١٧ | ٢١٨ | ٢١٩ | ٢٢٠ | ٢٢١ | ٢٢٢ | ٢٢٣ | ٢٢٤ | ٢٢٥ | ٢٢٦ | ٢٢٧ | ٢٢٨ | ٢٢٩ | ٢٣٠ | ٢٣١ | ٢٣٢ | ٢٣٣ | ٢٣٤ | ٢٣٥ | ٢٣٦ | ٢٣٧ | ٢٣٨ | ٢٣٩ | ٢٤٠ | ٢٤١ | ٢٤٢ | ٢٤٣ | ٢٤٤ | ٢٤٥ | ٢٤٦ | ٢٤٧ | ٢٤٨ | ٢٤٩ | ٢٥٠ | ٢٥١ | ٢٥٢ | ٢٥٣ | ٢٥٤ | ٢٥٥ | ٢٥٦ | ٢٥٧ | ٢٥٨ | ٢٥٩ | ٢٦٠ | ٢٦١ | ٢٦٢ | ٢٦٣ | ٢٦٤ | ٢٦٥ | ٢٦٦ | ٢٦٧ | ٢٦٨ | ٢٦٩ | ٢٧٠ | ٢٧١ | ٢٧٢ | ٢٧٣ | ٢٧٤ | ٢٧٥ | ٢٧٦ | ٢٧٧ | ٢٧٨ | ٢٧٩ | ٢٨٠ | ٢٨١ | ٢٨٢ | ٢٨٣ | ٢٨٤ | ٢٨٥ | ٢٨٦ | ٢٨٧ | ٢٨٨ | ٢٨٩ | ٢٩٠ | ٢٩١ | ٢٩٢ | ٢٩٣ | ٢٩٤ | ٢٩٥ | ٢٩٦ | ٢٩٧ | ٢٩٨ | ٢٩٩ | ٣٠٠ | ٣٠١ | ٣٠٢ | ٣٠٣ | ٣٠٤ | ٣٠٥ | ٣٠٦ | ٣٠٧ | ٣٠٨ | ٣٠٩ | ٣١٠ | ٣١١ | ٣١٢ | ٣١٣ | ٣١٤ | ٣١٥ | ٣١٦ | ٣١٧ | ٣١٨ | ٣١٩ | ٣٢٠ | ٣٢١ | ٣٢٢ | ٣٢٣ | ٣٢٤ | ٣٢٥ | ٣٢٦ | ٣٢٧ | ٣٢٨ | ٣٢٩ | ٣٣٠ | ٣٣١ | ٣٣٢ | ٣٣٣ | ٣٣٤ | ٣٣٥ | ٣٣٦ | ٣٣٧ | ٣٣٨ | ٣٣٩ | ٣٤٠ | ٣٤١ | ٣٤٢ | ٣٤٣ | ٣٤٤ | ٣٤٥ | ٣٤٦ | ٣٤٧ | ٣٤٨ | ٣٤٩ | ٣٥٠ | ٣٥١ | ٣٥٢ | ٣٥٣ | ٣٥٤ | ٣٥٥ | ٣٥٦ | ٣٥٧ | ٣٥٨ | ٣٥٩ | ٣٦٠ | ٣٦١ | ٣٦٢ | ٣٦٣ | ٣٦٤ | ٣٦٥ | ٣٦٦ | ٣٦٧ | ٣٦٨ | ٣٦٩ | ٣٧٠ | ٣٧١ | ٣٧٢ | ٣٧٣ | ٣٧٤ | ٣٧٥ | ٣٧٦ | ٣٧٧ | ٣٧٨ | ٣٧٩ | ٣٨٠ | ٣٨١ | ٣٨٢ | ٣٨٣ | ٣٨٤ | ٣٨٥ | ٣٨٦ | ٣٨٧ | ٣٨٨ | ٣٨٩ | ٣٩٠ | ٣٩١ | ٣٩٢ | ٣٩٣ | ٣٩٤ | ٣٩٥ | ٣٩٦ | ٣٩٧ | ٣٩٨ | ٣٩٩ | ٤٠٠ | ٤٠١ | ٤٠٢ | ٤٠٣ | ٤٠٤ | ٤٠٥ | ٤٠٦ | ٤٠٧ | ٤٠٨ | ٤٠٩ | ٤١٠ | ٤١١ | ٤١٢ | ٤١٣ | ٤١٤ | ٤١٥ | ٤١٦ | ٤١٧ | ٤١٨ | ٤١٩ | ٤٢٠ | ٤٢١ | ٤٢٢ | ٤٢٣ | ٤٢٤ | ٤٢٥ | ٤٢٦ | ٤٢٧ | ٤٢٨ | ٤٢٩ | ٤٣٠ | ٤٣١ | ٤٣٢ | ٤٣٣ | ٤٣٤ | ٤٣٥ | ٤٣٦ | ٤٣٧ | ٤٣٨ | ٤٣٩ | ٤٤٠ | ٤٤١ | ٤٤٢ | ٤٤٣ | ٤٤٤ | ٤٤٥ | ٤٤٦ | ٤٤٧ | ٤٤٨ | ٤٤٩ | ٤٥٠ | ٤٥١ | ٤٥٢ | ٤٥٣ | ٤٥٤ | ٤٥٥ | ٤٥٦ | ٤٥٧ | ٤٥٨ | ٤٥٩ | ٤٦٠ | ٤٦١ | ٤٦٢ | ٤٦٣ | ٤٦٤ | ٤٦٥ | ٤٦٦ | ٤٦٧ | ٤٦٨ | ٤٦٩ | ٤٧٠ | ٤٧١ | ٤٧٢ | ٤٧٣ | ٤٧٤ | ٤٧٥ | ٤٧٦ | ٤٧٧ | ٤٧٨ | ٤٧٩ | ٤٨٠ | ٤٨١ | ٤٨٢ | ٤٨٣ | ٤٨٤ | ٤٨٥ | ٤٨٦ | ٤٨٧ | ٤٨٨ | ٤٨٩ | ٤٩٠ | ٤٩١ | ٤٩٢ | ٤٩٣ | ٤٩٤ | ٤٩٥ | ٤٩٦ | ٤٩٧ | ٤٩٨ | ٤٩٩ | ٥٠٠ | ٥٠١ | ٥٠٢ | ٥٠٣ | ٥٠٤ | ٥٠٥ | ٥٠٦ | ٥٠٧ | ٥٠٨ | ٥٠٩ | ٥١٠ | ٥١١ | ٥١٢ | ٥١٣ | ٥١٤ | ٥١٥ | ٥١٦ | ٥١٧ | ٥١٨ | ٥١٩ | ٥٢٠ | ٥٢١ | ٥٢٢ | ٥٢٣ | ٥٢٤ | ٥٢٥ | ٥٢٦ | ٥٢٧ | ٥٢٨ | ٥٢٩ | ٥٣٠ | ٥٣١ | ٥٣٢ | ٥٣٣ | ٥٣٤ | ٥٣٥ | ٥٣٦ | ٥٣٧ | ٥٣٨ | ٥٣٩ | ٥٤٠ | ٥٤١ | ٥٤٢ | ٥٤٣ | ٥٤٤ | ٥٤٥ | ٥٤٦ | ٥٤٧ | ٥٤٨ | ٥٤٩ | ٥٥٠ | ٥٥١ | ٥٥٢ | ٥٥٣ | ٥٥٤ | ٥٥٥ | ٥٥٦ | ٥٥٧ | ٥٥٨ | ٥٥٩ | ٥٦٠ | ٥٦١ | ٥٦٢ | ٥٦٣ | ٥٦٤ | ٥٦٥ | ٥٦٦ | ٥٦٧ | ٥٦٨ | ٥٦٩ | ٥٧٠ | ٥٧١ | ٥٧٢ | ٥٧٣ | ٥٧٤ | ٥٧٥ | ٥٧٦ | ٥٧٧ | ٥٧٨ | ٥٧٩ | ٥٨٠ | ٥٨١ | ٥٨٢ | ٥٨٣ | ٥٨٤ | ٥٨٥ | ٥٨٦ | ٥٨٧ | ٥٨٨ | ٥٨٩ | ٥٩٠ | ٥٩١ | ٥٩٢ | ٥٩٣ | ٥٩٤ | ٥٩٥ | ٥٩٦ | ٥٩٧ | ٥٩٨ | ٥٩٩ | ٦٠٠ | ٦٠١ | ٦٠٢ | ٦٠٣ | ٦٠٤ | ٦٠٥ | ٦٠٦ | ٦٠٧ | ٦٠٨ | ٦٠٩ | ٦١٠ | ٦١١ | ٦١٢ | ٦١٣ | ٦١٤ | ٦١٥ | ٦١٦ | ٦١٧ | ٦١٨ | ٦١٩ | ٦٢٠ | ٦٢١ | ٦٢٢ | ٦٢٣ | ٦٢٤ | ٦٢٥ | ٦٢٦ | ٦٢٧ | ٦٢٨ | ٦٢٩ | ٦٣٠ | ٦٣١ | ٦٣٢ | ٦٣٣ | ٦٣٤ | ٦٣٥ | ٦٣٦ | ٦٣٧ | ٦٣٨ | ٦٣٩ | ٦٤٠ | ٦٤١ | ٦٤٢ | ٦٤٣ | ٦٤٤ | ٦٤٥ | ٦٤٦ | ٦٤٧ | ٦٤٨ | ٦٤٩ | ٦٥٠ | ٦٥١ | ٦٥٢ | ٦٥٣ | ٦٥٤ | ٦٥٥ | ٦٥٦ | ٦٥٧ | ٦٥٨ | ٦٥٩ | ٦٦٠ | ٦٦١ | ٦٦٢ | ٦٦٣ | ٦٦٤ | ٦٦٥ | ٦٦٦ | ٦٦٧ | ٦٦٨ | ٦٦٩ | ٦٧٠ | ٦٧١ | ٦٧٢ | ٦٧٣ | ٦٧٤ | ٦٧٥ | ٦٧٦ | ٦٧٧ | ٦٧٨ | ٦٧٩ | ٦٨٠ | ٦٨١ | ٦٨٢ | ٦٨٣ | ٦٨٤ | ٦٨٥ | ٦٨٦ | ٦٨٧ | ٦٨٨ | ٦٨٩ | ٦٩٠ | ٦٩١ | ٦٩٢ | ٦٩٣ | ٦٩٤ | ٦٩٥ | ٦٩٦ | ٦٩٧ | ٦٩٨ | ٦٩٩ | ٧٠٠ | ٧٠١ | ٧٠٢ | ٧٠٣ | ٧٠٤ | ٧٠٥ | ٧٠٦ | ٧٠٧ | ٧٠٨ | ٧٠٩ | ٧١٠ | ٧١١ | ٧١٢ | ٧١٣ | ٧١٤ | ٧١٥ | ٧١٦ | ٧١٧ | ٧١٨ | ٧١٩ | ٧٢٠ | ٧٢١ | ٧٢٢ | ٧٢٣ | ٧٢٤ | ٧٢٥ | ٧٢٦ | ٧٢٧ | ٧٢٨ | ٧٢٩ | ٧٣٠ | ٧٣١ | ٧٣٢ | ٧٣٣ | ٧٣٤ | ٧٣٥ | ٧٣٦ | ٧٣٧ | ٧٣٨ | ٧٣٩ | ٧٤٠ | ٧٤١ | ٧٤٢ | ٧٤٣ | ٧٤٤ | ٧٤٥ | ٧٤٦ | ٧٤٧ | ٧٤٨ | ٧٤٩ | ٧٥٠ | ٧٥١ | ٧٥٢ | ٧٥٣ | ٧٥٤ | ٧٥٥ | ٧٥٦ | ٧٥٧ | ٧٥٨ | ٧٥٩ | ٧٦٠ | ٧٦١ | ٧٦٢ | ٧٦٣ | ٧٦٤ | ٧٦٥ | ٧٦٦ | ٧٦٧ | ٧٦٨ | ٧٦٩ | ٧٧٠ | ٧٧١ | ٧٧٢ | ٧٧٣ | ٧٧٤ | ٧٧٥ | ٧٧٦ | ٧٧٧ | ٧٧٨ | ٧٧٩ | ٧٨٠ | ٧٨١ | ٧٨٢ | ٧٨٣ | ٧٨٤ | ٧٨٥ | ٧٨٦ | ٧٨٧ | ٧٨٨ | ٧٨٩ | ٧٩٠ | ٧٩١ | ٧٩٢ | ٧٩٣ | ٧٩٤ | ٧٩٥ | ٧٩٦ | ٧٩٧ | ٧٩٨ | ٧٩٩ | ٨٠٠ | ٨٠١ | ٨٠٢ | ٨٠٣ | ٨٠٤ | ٨٠٥ | ٨٠٦ | ٨٠٧ | ٨٠٨ | ٨٠٩ | ٨١٠ | ٨١١ | ٨١٢ | ٨١٣ | ٨١٤ | ٨١٥ | ٨١٦ | ٨١٧ | ٨١٨ | ٨١٩ | ٨٢٠ | ٨٢١ | ٨٢٢ | ٨٢٣ | ٨٢٤ | ٨٢٥ | ٨٢٦ | ٨٢٧ | ٨٢٨ | ٨٢٩ | ٨٣٠ | ٨٣١ | ٨٣٢ | ٨٣٣ | ٨٣٤ | ٨٣٥ | ٨٣٦ | ٨٣٧ | ٨٣٨ | ٨٣٩ | ٨٤٠ | ٨٤١ | ٨٤٢ | ٨٤٣ | ٨٤٤ | ٨٤٥ | ٨٤٦ | ٨٤٧ | ٨٤٨ | ٨٤٩ | ٨٥٠ | ٨٥١ | ٨٥٢ | ٨٥٣ | ٨٥٤ | ٨٥٥ | ٨٥٦ | ٨٥٧ | ٨٥٨ | ٨٥٩ | ٨٦٠ | ٨٦١ | ٨٦٢ | ٨٦٣ | ٨٦٤ | ٨٦٥ | ٨٦٦ | ٨٦٧ | ٨٦٨ | ٨٦٩ | ٨٧٠ | ٨٧١ | ٨٧٢ | ٨٧٣ | ٨٧٤ | ٨٧٥ | ٨٧٦ | ٨٧٧ | ٨٧٨ | ٨٧٩ | ٨٨٠ | ٨٨١ | ٨٨٢ | ٨٨٣ | ٨٨٤ | ٨٨٥ | ٨٨٦ | ٨٨٧ | ٨٨٨ | ٨٨٩ | ٨٩٠ | ٨٩١ | ٨٩٢ | ٨٩٣ | ٨٩٤ | ٨٩٥ | ٨٩٦ | ٨٩٧ | ٨٩٨ | ٨٩٩ | ٩٠٠ | ٩٠١ | ٩٠٢ | ٩٠٣ | ٩٠٤ | ٩٠٥ | ٩٠٦ | ٩٠٧ | ٩٠٨ | ٩٠٩ | ٩١٠ | ٩١١ | ٩١٢ | ٩١٣ | ٩١٤ | ٩١٥ | ٩١٦ | ٩١٧ | ٩١٨ | ٩١٩ | ٩٢٠ | ٩٢١ | ٩٢٢ | ٩٢٣ | ٩٢٤ | ٩٢٥ | ٩٢٦ | ٩٢٧ | ٩٢٨ | ٩٢٩ | ٩٣٠ | ٩٣١ | ٩٣٢ | ٩٣٣ | ٩٣٤ | ٩٣٥ | ٩٣٦ | ٩٣٧ | ٩٣٨ | ٩٣٩ | ٩٤٠ | ٩٤١ | ٩٤٢ | ٩٤٣ | ٩٤٤ | ٩٤٥ | ٩٤٦ | ٩٤٧ | ٩٤٨ | ٩٤٩ | ٩٥٠ | ٩٥١ | ٩٥٢ | ٩٥٣ | ٩٥٤ | ٩٥٥ | ٩٥٦ | ٩٥٧ | ٩٥٨ | ٩٥٩ | ٩٦٠ | ٩٦١ | ٩٦٢ | ٩٦٣ | ٩٦٤ | ٩٦٥ | ٩٦٦ | ٩٦٧ | ٩٦٨ | ٩٦٩ | ٩٧٠ | ٩٧١ | ٩٧٢ | ٩٧٣ | ٩٧٤ | ٩٧٥ | ٩٧٦ | ٩٧٧ | ٩٧٨ | ٩٧٩ | ٩٨٠ | ٩٨١ | ٩٨٢ | ٩٨٣ | ٩٨٤ | ٩٨٥ | ٩٨٦ | ٩٨٧ | ٩٨٨ | ٩٨٩ | ٩٩٠ | ٩٩١ | ٩٩٢ | ٩٩٣ | ٩٩٤ | ٩٩٥ | ٩٩٦ | ٩٩٧ | ٩٩٨ | ٩٩٩ | ١٠٠٠ | ١٠٠١ | ١٠٠٢ | ١٠٠٣ | ١٠٠٤ | ١٠٠٥ | ١٠٠٦ | ١٠٠٧ | ١٠٠٨ | ١٠٠٩ | ١٠١٠ | ١٠١١ | ١٠١٢ | ١٠١٣ | ١٠١٤ | ١٠١٥ | ١٠١٦ | ١٠١٧ | ١٠١٨ | ١٠١٩ | ١٠٢٠ | ١٠٢١ | ١٠٢٢ | ١٠٢٣ | ١٠٢٤ | ١٠٢٥ | ١٠٢٦ | ١٠٢٧ | ١٠٢٨ | ١٠٢٩ | ١٠٣٠ | ١٠٣١ | ١٠٣٢ | ١٠٣٣ | ١٠٣٤ | ١٠٣٥ | ١٠٣٦ | ١٠٣٧ | ١٠٣٨ | ١٠٣٩ | ١٠٤٠ | ١٠٤١ | ١٠٤٢ | ١٠٤٣ | ١٠٤٤ | ١٠٤٥ | ١٠٤٦ | ١٠٤٧ | ١٠٤٨ | ١٠٤٩ | ١٠٥٠ | ١٠٥١ | ١٠٥٢ | ١٠٥٣ | ١٠٥٤ | ١٠٥٥ | ١٠٥٦ | ١٠٥٧ | ١٠٥٨ | ١٠٥٩ | ١٠٦٠ | ١٠٦١ | ١٠٦٢ | ١٠٦٣ | ١٠٦٤ | ١٠٦٥ | ١٠٦٦ | ١٠٦٧ | ١٠٦٨ | ١٠٦٩ | ١٠٧٠ | ١٠٧١ | ١٠٧٢ | ١٠٧٣ | ١٠٧٤ | ١٠٧٥ | ١٠٧٦ | ١٠٧٧ | ١٠٧٨ | ١٠٧٩ | ١٠٨٠ | ١٠٨١ | ١٠٨٢ | ١٠٨٣ | ١٠٨٤ | ١٠٨٥ | ١٠٨٦ | ١٠٨٧ | ١٠٨٨ | ١٠٨٩ | ١٠٩٠ | ١٠٩١ | ١٠٩٢ | ١٠٩٣ | ١٠٩٤ | ١٠٩٥ | ١٠٩٦ | ١٠٩٧ | ١٠٩٨ | ١٠٩٩ | ١١٠٠ | ١١٠١ | ١١٠٢ | ١١٠٣ | ١١٠٤ | ١١٠٥ | ١١٠٦ | ١١٠٧ | ١١٠٨ | ١١٠٩ | ١١١٠ | ١١١١ | ١١١٢ | ١١١٣ | ١١١٤ | ١١١٥ | ١١١٦ | ١١١٧ | ١١١٨ | ١١١٩ | ١١٢٠ | ١١٢١ | ١١٢٢ | ١١٢٣ | ١١٢٤ | ١١٢٥ | ١١٢٦ | ١١٢٧ | ١١٢٨ | ١١٢٩ | ١١٣٠ | ١١٣١ | ١١٣٢ | ١١٣٣ | ١١٣٤ | ١١٣٥ | ١١٣٦ | ١١٣٧ | ١١٣٨ | ١١٣٩ | ١١٤٠ | ١١٤١ | ١١٤٢ | ١١٤٣ | ١١٤٤ | ١١٤٥ | ١١٤٦ | ١١٤٧ | ١١٤٨ | ١١٤٩ | ١١٥٠ | ١١٥١ | ١١٥٢ | ١١٥٣ | ١١٥٤ | ١١٥٥ | ١١٥٦ | ١١٥٧ | ١١٥٨ | ١١٥٩ | ١١٦٠ | ١١٦١ | ١١٦٢ | ١١٦٣ | ١١٦٤ | ١١٦٥ | ١١٦٦ | ١١٦٧ | ١١٦٨ | ١١٦٩ | ١١٧٠ | ١١٧١ | ١١٧٢ | ١١٧٣ | ١١٧٤ | ١١٧٥ | ١١٧٦ | ١١٧٧ | ١١٧٨ | ١١٧٩ | ١١٨٠ | ١١٨١ | ١١٨٢ | ١١٨٣ | ١١٨٤ | ١١٨٥ | ١١٨٦ | ١١٨٧ | ١١٨٨ | ١١٨٩ | ١١٩٠ | ١١٩١ | ١١٩٢ | ١١٩٣ | ١١٩٤ | ١١٩٥ | ١١٩٦ | ١١٩٧ | ١١٩٨ | ١١٩٩ | ١٢٠٠ | ١٢٠١ | ١٢٠٢ | ١٢٠٣ | ١٢٠٤ | ١٢٠٥ | ١٢٠٦ | ١٢٠٧ | ١٢٠٨ | ١٢٠٩ | ١٢١٠ | ١٢١١ | ١٢١٢ | ١٢١٣ | ١٢١٤ | ١٢١٥ | ١٢١٦ | ١٢١٧ | ١٢١٨ | ١٢١٩ | ١٢٢٠ | ١٢٢١ | ١٢٢٢ | ١٢٢٣ | ١٢٢٤ | ١٢٢٥ | ١٢٢٦ | ١٢٢٧ | ١٢٢٨ | ١٢٢٩ | ١٢٣٠ | ١٢٣١ | ١٢٣٢ | ١٢٣٣ | ١٢٣٤ | ١٢٣٥ | ١٢٣٦ | ١٢٣٧ | ١٢٣٨ | ١٢٣٩ | ١٢٤٠ | ١٢٤١ | ١٢٤٢ | ١٢٤٣ | ١٢٤٤ | ١٢٤٥ | ١٢٤٦ | ١٢٤٧ | ١٢٤٨ | ١٢٤٩ | ١٢٥٠ | ١٢٥١ | ١٢٥٢ | ١٢٥٣ | ١٢٥٤ | ١٢٥٥ | ١٢٥٦ | ١٢٥٧ | ١٢٥٨ | ١٢٥٩ | ١٢٦٠ | ١٢٦١ | ١٢٦٢ | ١٢٦٣ | ١٢٦٤ | ١٢٦٥ | ١٢٦٦ | ١٢٦٧ | ١٢٦٨ | ١٢٦٩ | ١٢٧٠ | ١٢٧١ | ١٢٧٢ | ١٢٧٣ | ١٢٧٤ | ١٢٧٥ | ١٢٧٦ | ١٢٧٧ | ١٢٧٨ | ١٢٧٩ | ١٢٨٠ | ١٢٨١ | ١٢٨٢ | ١٢٨٣ | ١٢٨٤ | ١٢٨٥ | ١٢٨٦ | ١٢٨٧ | ١٢٨٨ | ١٢٨٩ | ١٢٩٠ | ١٢٩١ | ١٢٩٢ | ١٢٩٣ | ١٢٩٤ | ١٢٩٥ | ١٢٩٦ | ١٢٩٧ | ١٢٩٨ | ١٢٩٩ | ١٣٠٠ | ١٣٠١ | ١٣٠٢ | ١٣٠٣ | ١٣٠٤ | ١٣٠٥ |

Approaching Day, when the hearts will reach to the throats while they will be full of suppressed grief. The wrongdoers will have no loving friend, nor any intercessor whose *intercession* will be complied with. 20. He knows the treachery of the eyes and what the breasts conceal.

لَكَى الْحَنَاجِرِ كَاطْمِئِنَّ ذَا مَا
لِظُلْمِئِنَّ مِنْ حَمِيمٍ وَلَا شَفِيعٍ
يُطَاعُ ١٩

يَعْلَمُ خَائِنَةَ الْأَعْيُنِ وَمَا تُخْفِي
الْصُّدُورُ ٢٠

- *21. And Allāh judges with truth, but those on whom they call beside Him cannot judge at all. Surely, Allāh is the All-Hearing, the All-Seeing.

وَاللَّهُ يَفْضِي بِالْحَقِّ ۚ وَالَّذِينَ يَدْعُونَ
مِنْ دُونِهِ لَا يَقْضُونَ بِشَيْءٍ ۚ إِنَّ اللَّهَ
هُوَ السَّمِيعُ الْبَصِيرُ ٢١

R. 3.

- *22. Have they not travelled in the earth and seen what was the end of those before them? They were mightier than these in power and *in* the marks *they left* in the earth. But Allāh seized them for their sins, and they had no protector against Allāh.

أَوَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا
كَيْفَ كَانَتْ عَاقِبَةُ الَّذِينَ كَانُوا
مِنْ قَبْلِهِمْ ۚ كَانُوا هُمْ أَشَدَّ مِنْهُمْ
قُوَّةً وَآثَارًا فِي الْأَرْضِ فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ
بِذُنُوبِهِمْ ۚ وَمَا كَانَ لَهُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ
وَاقٍ ٢٢

23. That was because their Messengers came to them with manifest Signs, but they disbelieved; so Allāh seized them. Surely He is Powerful, Severe in punishment.

ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانَتْ تَأْتِيهِمْ رُسُلُهُمْ
بِالْبَيِّنَاتِ فَكَفَرُوا فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ ۚ إِنَّهُ
قَوِيٌّ شَدِيدُ الْعِقَابِ ٢٣

24. And We did send Moses, with Our Signs and manifest authority,

وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا وَسُلْطٰ
مٰٓيٰٓنٍ ٢٤

- *21. And Allāh judges with truth **while those on whom they call beside Him judge nothing.** Surely, Allāh is the All-Hearing, the All-Seeing.
*22. Have they not travelled in the earth and seen what was the end of those before them? **They were far more powerful than these and stronger in the marks they left in the earth.**